

क्र. सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
		<p>इकाई</p> <p>अतः वाद की वृद्धि को बनाए रखने एवं वाद की विषय-वस्तु को बनाए रखने के लिए चक्रा 1-2 में वर्णित विधायित आकाशवाणी पर उभयपक्षों को तर्कानुसार मवि की प्रधालियाँ बनाए रखने हेतु पाबंद किया जाता है।</p> <p>पतावली के अनुसार शिफार होकर एन नम्बर प्रकृत</p> <p style="text-align: right;">(36)</p> <p style="text-align: right;">सहायक निदेशिका</p> <p style="text-align: right;">उपपर. न. नं. 10/1/2017</p>

- प्रार्थन
- 1 टं
- 2 ब
- 3 मू
- 4 शर
- 5 रा
- र
- उ
- 6 श्री
- र
- 7 ए
- त
- 1 श्री
- त
- 2 घा
- 3 प्रह
- 4 गो
- 5 ला
- 6 सुं
- 7 ला